(DHIND01)

Total No. of Questions : 10] **[Total No. of Pages : 01**

M.A. DEGREE EXAMINATION, DEC. - 2016

(First Year)

HINDI

History of Hindi Literature

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 70**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

Q1) हिन्दी साहित्य के इतिहास के काल – विभाजन को स्पष्ट कीजिए।

Q2) वीरगाथा कालीन परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए।

Q3) निर्गुण भक्त कवि के रूप में कबीरदास का परिचय दीजिए।

Q4) तुलसीदास की भक्ति – पद्धति पर एक लेख लिखिए।

Q5) रीतिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।

Q6) हिन्दी गद्य के विकास में भारतेन्दु मण्डल के लेखकों के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

Q7) छायावादी कवि के रूप में जयशंकर प्रसाद का परिचय दीजिए।

Q8) उपन्यासकार के रूप में प्रेमचन्द का परिचय दीजिए।

Q9) हिन्दी नाटक के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

Q10) किन्हीं दो कवियों का परिचय दीजिए।

अ) सूरदास ।
आ) अमीरखुसरो ।
इ) पृथ्वीराज रासो ।
ई) मैथिलीशरणगुप्त ।

● ● ●

(DHIND02)

Total No. of Questions : 10] **[Total No. of Pages : 01**

M.A. DEGREE EXAMINATION, DEC. - 2016

(First Year)

HINDI

Theory of Indian and Western Literature

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 70**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

Q1) 'रस' का अर्थ बतलाते हुए भरत मुनि के रस – सूत्र का परिचय दीजिए।

Q2) 'रीति' की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए उसके प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

Q3) वक्रोक्ति – संप्रदाय के इतिहास पर प्रकाश डालिए।

Q4) साधारणीकरण की व्याख्या करते हुए रस – निष्पत्ति में उस के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

Q5) अलंकार की परिभाषा देते हुए कविता में उसके महत्व को स्पष्ट कीजिए।

Q6) काव्य– प्रयोजन के बारे में भारतीय विद्वानों के मतों को स्पष्ट कीजिए।

Q7) औचित्य – संप्रदाय की मान्यताओं की विशिष्टता को स्पष्ट कीजिए।

Q8) 'उपन्यास' की परिभाषा देकर उस के तत्वों पर प्रकाश डलिए।

Q9) महाकाव्य के लक्षणों पर प्रकाश डालिए।

Q10) किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए ।
- अ) काव्य में उदात्त तत्व।
- आ) मार्क्सवादी आलोचना।
- इ) संस्मरण की विशेषताएँ।
- ई) मुक्तक काव्य।

● ● ●

(DHIND03)

Total No. of Questions : 10] **[Total No. of Pages : 02**

M.A. DEGREE EXAMINATION, DEC. - 2016

(First Year)

HINDI

Old and Medieval Poetry

प्राचीन एवं मध्य युगीन काव्य

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 70**

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है।
शेष प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए

Q1) संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **[4 × 3½ = 14]**

a) कबीर सुमिरण सार है सकल जंजाल।
आदि अंत सब सोधियो दूजा देखौ।।

अथवा

b) गुरु गोविंद तो एक है दूजा यह आकार।
आप मेंटि जीवित मरै तो पावै करतार ।।

c) आयो घोष बडो व्यापारी।
लाद खोंप गुन ज्ञान जोग की, ब्रज में आय उतारी।।
फाटक दैकर हाटक माँगत भौरे निपट सुधारी।
धुर ही तैं खोटो खायो है लिए फिरत सिर भारी।।

अथवा

d) राम नाम हित नर तनु धरी। सहि संकट किए साधु सुखारी।।
नाम सप्रेम जपत अनयासा। भगत होहि मुद मंगल बासा।।
राम एक तापस तिय तारी। नाम कोटि खल कुमति सुधारी।।
रिपि हित राम सुकेतु सताकी। सहित सेन सुत किन्हीं बिब की।।

e) खेलत मानसरोवर गई। जाइ पालि पर गढ़ी भई।
देखि सरोवर रहसहि खेली। पदुमावति सौ कहहि सहेली।
ऐ रानी मन देख विचारी। एहि नौहर रहना दिनचारी।
जो लहि अहै पिता का राजु। खेले लेहु जौ खेलहु आजु।

पुनि सासुर हम गौनव काली, कित हम कित एह साखर पाली।
कित आवन पुनि अपने हाथाँ। कित हम कित मिली कै खेलव एक साधाँ।।

अथवा

f) सरवर तीर पदुमिनी आई। खोंपा छोरी केस मोर कोई।
ससि मुख अंग मलैगिरि रानी। नागन्ह झाँपि लीन्ह अर धानी।
ओ नए मेघ परी जग छाँहा। ससि की सरन लीन जनु राहाँ।
छपिगै दिन हे भानु कै दशा। लैनिसि लखत चाँद परगसा।
भूलि चकोर दिस्ट तहँ लावा। मेघ घटा महे चाँद देखावा।
दसन दामिनी कोकिल भाषी। भोंहे धनुक गगन लौ राखी।
नैन खंजन दुई केलि केरेहीं कुच नारँग मधुकर 'रस' लेहीं।

g) जोग-जुगति सिखए सबै, मनौ महामुनि मैन।
चाहत पिय-अद्वैतता, काननु सेवतु नैन।।

अथवा

h) अति सूधो सनेह को मारग है जहँ नेकु सयानप बाँक नहीं।
तहाँ साँये चलै तजि आपनपौ झझकैं कपटी जे निसाँक नहीं।
घन आनंद प्यारे सुजान सुनौ यहाँ एक ते दुसरो आँक नहीं।
तुम कौन धौं पाटी पढ़े हो लला मन लेहु, पै देहु, छटाँक नहीं।।

[4 × 14 = 56]

Q2) मध्ययुगीन कविता की पृष्ठभूमि को स्पष्ट कीजिए।

Q3) विद्यापति की श्रृंगार भावना की समीक्षा कीजिए।

Q4) कबीर के रहस्यवाद पर लेख लिखिए।

Q5) 'पद्मवती-समय' की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

Q6) 'भ्रमरगीत' के रचना-उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

Q7) तुलसी की भक्ति-पद्धति को स्पष्ट कीजिए।

Q8) घनानंद के काव्य में व्यक्त स्वच्छंद चेतना पर प्रकाश डालिए।

Q9) बिहारी की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

Q10) रीतिकालीन कविता की मुख्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

(DHIND04)

Total No. of Questions : 10] **[Total No. of Pages : 02**

M.A. DEGREE EXAMINATION, DECEMBER - 2016

(First Year)

HINDI

Hindi Prose – Drama, Novel, Stories and Essay

हिंदी गद्य, नाटक, उपन्यास, कहानी और निबंध

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 70**

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Q1) संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **[4 × 3½ = 14]**

i) इसको चाहे क्वारी रखिएगा, चाहे विष देकर मार डालिएगा, पर कुपात्र के गले न मढ़िएगा।

अथवा

j) जीवन तुम से ज्यादा असार भी दुनिया में कोई वस्तु है? क्या यह उस दीपक की भाँति ही क्षण-भंगुर नहीं है, जो हवा के एक झोंके से बुझ जाता है। पानी के एक बुलबुले को देखते हो, लेकिन उसे टूटते भी कुछ देर लगती है; जीवन में उतना सार भी नहीं।

k) जीवन एक प्रशन है, और मरण है उसका अटल प्रशन।

अथवा

l) राज्य किसी का नहीं है। सुशासन का है। जन्मभूमि के भक्तों में आज जागरण है। देखते नहीं, प्राच्य में सूर्योदय हुआ है।

m) श्रद्धा न्याय-वृध्दि के पलड़े पर तुली हुई एक वस्तु है, जो दूसरे पलड़े पर रखे हुए श्रध्देय के गुण, कर्म आदि के हिसाब से होती है।

अथवा

n) आनंदपूर्ण प्रयत्न या उसकी उत्कण्ठा में ही उत्साह का दर्शन होता है, केवल कष्ट सहने के निश्चेष्ट साहस में नहीं। धैर्य और साहस दोनों का उत्साह के बीच संचरण होता है।

o) मेरी युध्द-भूमि में केवल भैरवी का नृत्य हो सकता है, चारूमित्रा का नहीं।

अथवा

p) बेटा, बडप्पन बाहर की वस्तु नहीं ..... बडप्पन तो मन का होना चाहिए और फिर बेटा, घृणा को घृणा से नहीं मिटाया जा सकता। वह तभी पृथक होना चाहेगी जब उसे घृणा के बदले घृणा दी जाएगी, लेकिन यदि घृणा के बदले उसे स्नेह मिले तो उसकी समस्त घृणा घुँघली पड़कर अवश्य लुप्त हो जाएगी।

[4 × 14 = 56]

Q2) 'निर्मला' के चरित्र चित्रण पर प्रकाश डालिए।

Q3) ''निर्मला'' उपन्यास में प्रतिपादित समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

Q4) नाटक-कला की दृष्टि से ''चंद्रगुप्त'' नाटक की समीक्षा कीजिए।

Q5) आचार्य रामचंद्र शुक्ल की निबंध-कला की समीक्षा कीजिए।

Q6) कहानी-कला की दृष्टि से ''प्रेरणा'' कहानी का मूल्यांकन कीजिए।

Q7) एकांकी के तत्वों के आधार पर ''चारूमित्रा'' एकांकी का विश्लेषण कीजिए।

Q8) ''रेखाचित्र'' की विशेषताओं का परिचय देते हुए ''हिन्दी रेखाचित्र'' के विकास-क्रम को स्पष्ट कीजिए।

Q9) 'सोना' में अभिव्यंजित महादेवी वर्मा के विचारों का परिचय दीजिए।

Q10) किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणी लिखिए।

1) श्रध्दा एवं भक्ति।
2) अपना-पराया।
3) तोताराम।
4) यात्रा-वृत्तांत।

● ● ●

(DHIND05)

Total No. of Questions : 10] **[Total No. of Pages : 03**

M.A. DEGREE EXAMINATION, DEC. - 2016

(First Year)

HINDI

Modern Poetry

आधुनिक कविता

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 70**

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Q1) निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **[4 × 3½ = 14]**

अ) दिवस का अवसान समीप था।
गगन या कुछ लोहित हो चला।
तरू शिखा पर थी अब राजती।
कमलिनी – कुल – वल्लभ की प्रभा।।

अथवा

अचल के शिखरों पर जा चढी।
किरण पादप – शीश – विहारिणी।।
तरणि – बिंब तिरोहित हो चला।
गगन – मण्डल मध्य शर्नेः शर्नेः।।

आ) कौन तुम? संसृति – जलनिधि तीर – तरंगों से फेंकी मणि एक,
कर रहे निर्जन का चुपचाप प्रभा की धारा से अभिषेक?
मधुर विश्रांत और एकांत – जगत का सुलझा हुआ रहस्य,
एक करूणामय सुंदर मौन और चंचल मन का आलस्य!

अथवा

भरा था मन में नव उत्साह सीख लूँ ललित कला का ज्ञान,
इधर रह गंधर्वों के देश, पिता की हूँ प्यारी संतान।
घूमने का मेरा अभ्यास बढ़ा था मुक्त – ओम – तल नित्य,
कुतूहल खोज रहा था, अस्त हृदय – सत्ता का सुंदर सत्य।

अथवा

और यह क्या तुम सुनते नहीं विधाता का मंगल वरदान–
'शक्तिशाली हो, विजयी बनो' विश्व में गूँज रहा जय – गान।
डरो मत, अरे अमृत संतान! अग्रसर है, मंगलमय वृद्धि,
पूर्ण आकर्षण जीवन केंद्र खिंची आवेगी सकल समृद्धि।

इ) जानकी! हाय, उद्धार प्रिया का हो न सका।
वह एक और मन रहा राम का जो न थका।
जो नहीं जानता दैन्य, नहीं जानता विनय।
कर गया भेद वह माया वरण प्राप्त कर जय।।

अथवा

तीस कोटि सुत, अर्थ नग्न तन,
अन्न वस्त्र पीड़ित, अनपढ़ जन
झाड़ फूँस खर के घर आँगन,
प्रणत शीश तरूतल निवासिनी!

ई) विरह का जलजात जीवन, विरह का जलजात!
वेदना में जन्म, करूणा में मिला आवास;
अश्रु चुनता दिवस इसका, अश्रु गिनती रात!
जीवन विरह का जलजात!

अथवा

मर्यादा मत तोडो।
तोडी हुई मर्यादा।
कुचले हुए अजगर सी।
गुंजीलक में कौरव वंश को लपेट कर।
सूखी लकडी – सा तोड डालेगी।

[4 × 14 = 56]

Q2) 'प्रियप्रवास' में 'राधा' का चरित्र – चित्रण कीजिए।

Q3) 'कामायनी' के महाकाव्यत्व पर एक लेख लिखिए।

Q4) 'राम की शक्ति पूजा' के वस्तु – पक्ष को स्पष्ट कीजिए।

Q5) प्रकृति – चित्रण की दृष्टि से सुमित्रानंदन पंत की कविताओं की समीक्षा कीजिए।

Q6) महादेवी वर्मा के काव्य में गीतितत्व पर एक निबंध लिखिए।

Q7) 'हुँकार' में अभिव्यक्ति दिनकर की क्रान्तिकारी चेतना पर प्रकाश डालिए।

Q8) 'अंधायुग' में प्रतिपादित समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

Q9) 'असाध्यवीणा' कविता का सारांश लिखिए।

Q10) किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणी लिखिए ।

a) ताज।
b) विरह का जलजात जीवन।
c) 'नदी के दीप'।
d) मैं नीर भरी – दुःख की बदली।
e) अज्ञेय का अभिव्यंजना – कौशल।

● ● ●